an>

Title: Need to take suitable measures to revive the cement plant of CCI at Naya Gaon in Neemuch district of Madhya Pradesh.

डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश में, नीमच के पास नया गांव में सी.सी.आई. के दो सीमेंट के संयंत्र हैं। उनके पास करोड़ों रुपए की मशीनरी और भूमि है। वहां पर अच्छा खनिज भी है, जिसके कारण वहां काफी समय तक सीमेंट उत्पादित होता रहा। आगे भी भरपूर स्टाक है लेकिन केवल बिजली के थोड़े से बिल न चुकाने के कारण वह सीमेंट संयंत्र बन्द कर दिया गया। धीरे-धीरे वहां के श्रमिकों को निकाला गया। आज सैंकड़ों की तादाद में श्रमिक बाहर आ गए हैं और आज वे बेरोजगार हैं। सरकार द्वारा बार-बार कहा गया कि श्रमिक इसे चलाना चाहते हैं। बीच में एक बार डीजल से चलाने के प्रयत्न किया गया, लेकिन डीजल के कारण उत्पादन महंगा पडता है और डीजल से संयंत्र चलाना महंगा पड़ा और अब वह संयंत्र बन्द है। आज स्थिति यह है कि करोड़ों रुपए की सम्पति बर्बाद हो रही है। मैं चाहता हूं कि सरकार उसे चलाने पर विचार करे और अगर सरकार नहीं चला सके और यदि कुछ उद्यमी उसे चलाने के लिए तत्पर हों, तो नियमानुसार कार्रवाई कर के उन्हें उसे चलाने दिया जाए, ताकि श्रमिकों को रोजगार मिल सके तथा करोड़ों रुपए की सम्पति और भूमि जिस पर लोग अतिक्रमण कर नष्ट कर रहे हैं, उस सम्पति को बचाया जा सके। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Jayaprada *ji* your matter relates to State. Sorry, I cannot allow it. There is nothing to be it with the Centre.

श्रीमती जयाप्रदा : अध्यक्ष महोदय, वैट के कारण वहां के व्यापारी बहुत परेशान हैं। आप मुझे केवल एक मिनट में अपनी बात कहने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have to raise it through another friend of yours in the UP Assembly. I do not want it to be converted to an Assembly.

श्रीमती जयाप्रदा : सर, सिर्फ एक मिनट का टाइम मुझे दीजिए।

MR. SPEAKER: Sorry; because of my respect for you, I have explained to you; otherwise I would not have done it.

श्रीमती जयाप्रदा : सर, सारे व्यापारी बहुत परेशान हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप पार्लियामेंट और असैम्बली में डिफरेंस जानती हैं।

श्रीमती जयाप्रदा : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक मिनट में अपनी बात कहकर समाप्त कर दूंगी।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It does not arise. It has nothing to do with the Central Government. Why should I allow this?

श्री मोहन सिंह (देवरिया): अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की अनुमति से ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं। इसमें भारत सरकार कुछ नहीं करेगी। यदि एक बार स्टेट सब्जैक्ट को यहां उठाने का मौका दिया, तो बाद में मुसीबत हो जाएगी। I am very sorry; I have respect for you; out of my respect for you I have told you this.